बिहार विधान-सभा वाद्वृत्त

(खण्ड–1 तारांकित प्रश्नोत्तर)

बृहस्पतिवार, दिनांक 11 दिसम्बर, 1980।

विषय-सूची।

पृष्ठ।

प्रश्नों के लिखित उत्तर—

षष्टम बिहार विधान-सभा के प्रथम सत्र के अनायत तारांकित प्रश्नोत्तरों का बिहार विधान-सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन विषयावली के नियम 4 (II) के परन्तुक के अंतर्गत सभा पटल पर रखा जाना।

प्रश्नों के मौखिक उत्तर—

खण्ड-सूचित प्रश्नोत्तर संख्या 2 (एक के लिए स्थगित) 1—9

तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या 222, 224, 225, 227, 228, 229 एवं 234। 9—24

परिशिष्ट—1 प्रश्नों के लिखित उत्तर। .. 25—44

परिशिष्ट—2 प्रश्नों के लिखित उत्तर। .. 45—100

दैनिक विवरण 101

टिप्पणी—किन्हीं भी मंत्रियों एवं सदस्यों से उनके भाषण के संशोधन प्राप्त नहीं हुए हैं।

अतिरिक्त चीनी की आपूर्ति ।

229. श्री वृशिण पटेल—क्या मंत्री, खाद्य, आपूर्ति एवं वाणिज्य विभाग, वह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सरकार द्वारा राज्य में शादी एवं श्राद्ध के अवसर पर अतिरिक्त चीनी की आपूर्ति की जाती है;

(2) क्या यह बात सही है कि पूजा एवं मिलाद के अवसर पर अतिरिक्त चीनी देने की व्यवस्था सरकार की ओर से नहीं है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य में उक्त अवसर पर अतिरिक्त चीनी देने की व्यवस्था करने का विचार रखती है; यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों?

श्री ललन शुक्ल—(1) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(2) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(3) चूंकि भारत सरकार से राज्य के लिए पर्याप्त लेवी चीनी का मासिक कोटा प्राप्त नहीं होता है, इसलिए यह संभव नहीं है कि पूजा एवं मिलाद के अवसर पर भी अतिरिक्त चीनी की व्यवस्था की जा सके।

*श्री वृशिण पटेल—अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि जिस तरह से धार्मिक मान्यता के आधार पर शादी और श्राद्ध में अतिरिक्त चीनी की आपूर्ति की जाती है तो क्या सरकार पूजा और मिलाद को धार्मिक मान्यता देती है या नहीं ?

श्री शंकर दयाल सिंह—अध्यक्ष महोदय, धार्मिक मान्यता के आधार पर नहीं दी जाती है। इसके लिए अलग से चीनी शादी और श्राद्ध के लिये या अन्य त्योहार के लिए व्यवस्था नहीं है। सरकार की ओर से शादी या श्राद्ध के समय जो चीनी दी जाती है वह यह है कि लेवी का जो कोटा है, उसी में से 5 प्रतिशत रिजर्व करके हर जिला को शादी और श्राद्ध के लिए दिया जाता है। यदि चीनी की उपलब्धि अधिक होगी तो सरकार इस पर विचार करेगी।

श्री वृष्ण पटेल—अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि मुसलमानों में श्राद्ध नहीं होता है, उनके यहाँ मिलाद होता है। तो क्या सरकार मिलाद के अवसर पर चीनी देना चाहती है?

श्री शंकर दयाल सिंह—अध्यक्ष महोदय, ईद और बकरीद के अवसर पर कोटा के अतिरिक्त चीनी की व्यवस्था की जाती है?

श्री वृष्ण पटेल—अध्यक्ष महोदय, मैं ईद या बकरीद के सम्बन्ध में नहीं कहता। मेरा कहना है कि मिलाद के लिए सरकार चीनी देना चाहती है या नहीं?

श्री ललन शुक्ल—अध्यक्ष महोदय, सरकार के यहाँ हिन्दू और मुसलमान का कोई प्रश्न नहीं है। शादी और श्राद्ध के अवसर पर कोटा मिलता है। यदि मिलाद को श्राद्ध कहेंगे तो हमको उज्र नहीं है।

श्री कर्पूरी ठाकुर—अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि जब चीनी की अतिरिक्त व्यवस्था करने में असमर्थ पा रही है तो मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि बिहार में लोगों के लिए चीनी आवश्यकतानुसार दिलाने की व्यवस्था सरकार करेगी?

श्री ललन शुक्ल—अध्यक्ष महोदय, उपलब्धि के आधार पर विचार करेंगे।

श्री कर्पूरी ठाकुर—अध्यक्ष महोदय, हमारे दो-दो राज्यमंत्री कह रहे हैं कि मिलाद में चीनी मिलती है और मिलेगी।

अध्यक्ष—वे बैठे-बैठे बोल रहे हैं।

श्री कर्पूरी ठाकुर—अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने उत्तर दिया है उसको सही माना जाय कि राज्य मंत्री ने उत्तर दिया, उसको सही माना जाय?